कपास नई खोज़

भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र

देखें: www.cicr.org.in

अंक: 2 खंड: 11 नवंबर 9–15, 2014

वैज्ञानिक साहित्य का स्कैन

एक काव्य, जिसमें कपास के फूल आशा प्रदान करता है
"नवंबर कपास का फूल" जीन टूमर से
शीत ठंड है डोडा में कीडा है,
कपास डंठल जंग लगा हुआ, मौसम पुराने लगे हुए,
और कपास, किसी भी दक्षिणी बर्फ के रूप में अल्प है,
ग़ायब हो गया था; शाखा इतने कम और धीमी गति से,
शरद ऋतु के रूप में अपने कार्य में विफल रहा है,
सूखा से लड़ रहे मिट्टी कारण बना था मिट्टी को लेने के लिए
नदियों से सब पानी; मृत पक्षियों पाए गए
कुओं में जमीन के नीचे एक सौ फुट
जब फूल खिल इस तरह के मौसम था ।
पुराने लोगों को चौंका दिया गया, और यह जल्द ही ग्रहण किया महत्व ।
अंधविश्वास ने देखा कुछ जो पहले कभी नहीं देखा था:
डर के निशान के बिना प्यार करता भूरी आंखे,
साल का वह समय के लिए तो अचानक सौंदर्य

संदर्भ: http://www.rs.poetryoutloud.org/poem/175685

डॉ.जे. एन्नीशीबा, वैज्ञानिक, पौधा दैहीकी, के.क.अ.सं, नागपुर द्वारा योगदान

बैठकों

- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में दि. नवंबर 10, 2014 को 'विजन 2050' की बैठक में भाग लिया ।
- डॉ. के.आर. क्रांति ने प्रो. दीपक पन्टाल, प्रो. ढिल्लों और डॉ. पी. के.चक्रवर्ती, सहायक महानिदेशक (पी.डी) के साथ बीटी कपास प्रौद्योगिकी के दिल्ली विश्वविद्यालय से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद हस्तांतरण पर महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अध्यक्षता में आयोजित एक बैठक में भाग लिया ।
- के.क.अ.सं, नागपुर के सभी वैज्ञानिकों, निदेशक, के.क.अ.सं से बुलाया गया विजन 2050 के बारे में संक्षिप्त चर्चा की बैठक में दि. 13 नवम्बर, 2014 को भाग लिया ।
- डॉ. के.आर. क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, ने भारत के कीट विज्ञानी सोसायटी द्वारा पासी घाट, अरुणाचल प्रदेश में दि. 14-15 नवम्बर, 2014 को आयोजित 'कीट प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी' में भाग लिया एवं उन्होंने समापन व्याख्यान दिया । डॉ. मंगला राय ने समापन सत्र की अध्यक्षता की ।

निदेशक के पासीघाट में भाषण देना

निदेशक के पासीघाट में भाषण देना

निर्मित एवं प्रकाशित: डॉ. के.आर.क्रांति, निदेशक, के.क.अ.सं, नागपुर
प्रमुख संपादक: डॉ. नंदिनी गोक्टे-नार्खडेकर
संपादकों: डॉ. जे.एन्नि शीबा, डॉ. विश्लेष नगरारे, डॉ. जे.अमुदा एवं डॉ. एम.शरवणन
जनसंचार माध्यम समर्थन एवं रुपांकन: डॉ. एम.सबेष एवं श्री. एस.सत्यकुमार
हिन्दी अनुवाद: श्रीमति. के.सुभश्री एवं डॉ. अ.हि.प्रकाश
निर्मित समर्थन: श्री. संजय कुश्वाहा

प्रमाण: कपास नई खोज अंक-2, खंड-11, 2014, भा.कृ.अनु.प. - केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर

प्रकाशन टिप्पणी: यह समाचार पत्र आनलाईन http://www.cicr.org.in/News Letter.html में उपलब्ध है।
कपास नई खोज एक खुला उपयोग कपास समाचार पत्र है ।

कपास नई खोज - के.क.अ.सं, समाचार पत्र केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर द्वारा प्रकाशित साप्ताहिक संवाद-पत्र.
कार्यालय: पांजरी, एल.पी.जी. बॉटलिंग प्लॉन्ट के पास, वर्धा रॉड, नागपुर- 441 108.
दूरभाष: 07103-275536 फैक्स: 07103-275529; E-mail: cicrnagpur@gmail.com